

भारत-बांग्लादेश नदी जल बँटवारा समझौता ज्ञापन

भारत और बांग्लादेश ने कुशयारा नदी के अंतरमि जल बँटवारे पर समझौता ज्ञापन (MoU) को अंतिम रूप दिया है।

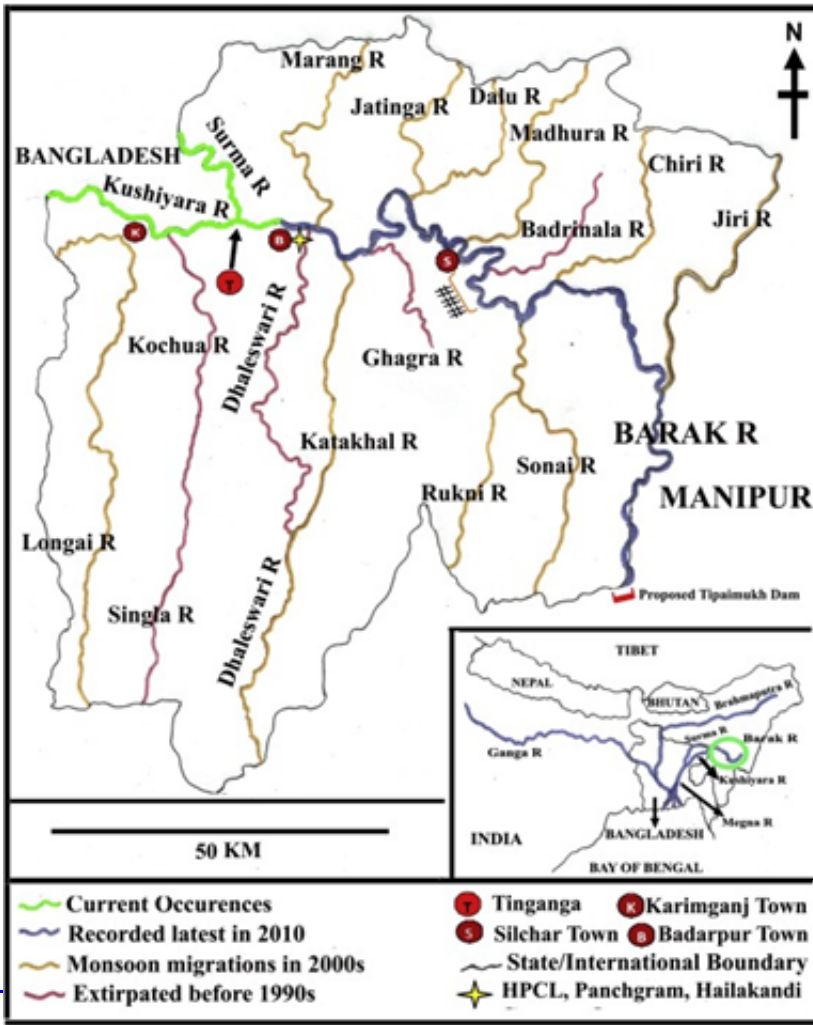
समझौता ज्ञापन के मुख्य बिंदु:

- इसे भारत और बांग्लादेश के मंत्रसित्रीय संयुक्त नदी आयोग (JRC) की 38वीं बैठक के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।
- इसने अक्टूबर 2019 के भारत-बांग्लादेश समझौता ज्ञापन के अनुसार त्रपुरा के सबरूम शहर की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लक्ष्नेनी नदी पर पानी के इंटेक प्वाइंट (एक प्रकार का पंप स्टेशन जहाँ जल संचायक टैंक/जल स्रोत में छोड़ता है) के डिज़ाइन को अंतिम रूप दिया।
 - इसके अलावा कई आपसी हति के द्वपिक्षीय समस्याओं पर चर्चा हुई जिसमें साझा नदियों के जल बँटवारे, बाढ़ के डेटा का साझाकरण, नदी प्रदूषण को संबोधति करने, अवसादन प्रबंधन पर संयुक्त अध्ययन करने, नदी तट संरक्षण कार्य आदि शामिल हैं।

संयुक्त नदी आयोग (JRC):

- परचिय:
 - भारत और बांग्लादेश के संयुक्त नदी आयोग का गठन वर्ष 1972 में एक द्वपिक्षीय तंत्र के रूप में कथिा गया था ताक साझा / सीमा / सीमावर्ती नदियों पर पारस्परकि हति के मुद्दों को हल कथिा जा सके।
 - JRC का नेतृत्व दोनों देशों के जल संसाधन मंत्री करते हैं।
- महत्व:
 - यह बारह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद शुरू हो रहा है, हालाँकि JRC के ढाँचे के तहत तकनीकी बातचीत अंतरमि में जारी रही है।
 - चूँकि भारत और बांग्लादेश 54 नदियों को साझा करते हैं, जनिमें से सात की पहचान प्राथमकिता के आधार पर पहले ही जल-बँटवारे के समझौतों के ढाँचे को वकिसति करने के लयि की गई है।
 - नवीनतम बैठक के दौरान वे डेटा वनिमिय के लयि आठ और नदियों को शामिल करने पर सहमत हुए।
- परिणाम:
 - बैठक में दोनों देशों के बीच साझा नदियों, वशिष रूप से गंगा, तीस्ता, मनु, मुहुरी, खोवाई, गुमटी, धारला, दूधकुमार और कुशयारा से संबंधति मुद्दों के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई।
 - इसके अलावा बाढ़ से संबंधति आँकड़ों और सूचनाओं के आदान-प्रदान, नदी तट संरक्षण कार्यों, संयुक्त बेसनि प्रबंधन एवं भारतीय नदी को जोड़ने की परयिोजना पर वसितार से चर्चा की गई।
 - दोनों देश अंतरमि जल बँटवारे समझौते का मसौदा ढाँचा तैयार करने की दशिा में आँकड़ों और सूचनाओं के आदान-प्रदान में कुछ और नदियों को शामिल करने पर सहमत हुए।

कुशयारा नदी



- कुशायारा नदी बांग्लादेश और असम में एक वतिरिका (Distributary) नदी है।
 - यह बराक नदी की एक शाखा के रूप में भारत-बांग्लादेश की सीमा बनाती है जब बराक कुशायारा और सूरमा में अलग हो जाती है।
- कुशायारा नदी की सहायक नदियों से मणपुर, मज़ोरम और असम जल प्राप्त करते हैं।
- कुशायारा अजमेरीगंज उपजिला (बांग्लादेश) में मारकुली में सूरमा के साथ फरि से मिलती है और कालनी नाम से भैरब बाज़ार (बांग्लादेश) तक दक्षिण की ओर बहती है।
- कालनी सूरमा की एक शाखा धनु (बांग्लादेश) से मिलती है फरि इसका नाम बदलकर मेघना हो जाता है।

फेनी नदी:

- फेनी नदी को बंगाली में फेनी नदी के नाम से भी जाना जाता है जो भारत-बांग्लादेश सीमा का हिस्सा है।
- फेनी नदी का उद्गम दक्षिण त्रिपुरा ज़िले से होता है तथा यह सबरूम शहर से गुजरती हुई बांग्लादेश में प्रवाहित होती है तथा आगे यह बंगाल की खाड़ी से मिलती है।
- इस नदी के पास के शहरों में रहने वाले लोगों के लिये इसका कृषि महत्त्व बहुत अधिक है।
- यह नदी उनकी आजीविका का भी स्रोत है जिसके माध्यम से वे अपनी फसलों की सचिाई और अपने नयिमति ज़रूरतों हेतु जल का उपयोग करने जैसे कई लाभ प्राप्त करते हैं।
- मैत्री सेतु, फेनी नदी पर 1.9 कमी लंबा पुल भारत-बांग्लादेश को जोड़ने के लिए त्रिपुरा में बनाया गया है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा पछिले वर्ष के प्रश्न:

प्रारंभिक परीक्षा:

Q तीस्ता नदी के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. तीस्ता नदी का उद्गम वही है जो ब्रह्मपुत्र का है लेकनि यह सक्किमि से होकर प्रवाहित होती है।

2. रंगीत नदी की उत्पत्ति सिक्किम में होती है और यह तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है।
3. तीस्ता नदी, भारत एवं बांग्लादेश की सीमा पर बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- तीस्ता/तस्ता नदी उत्तरी सिक्किम हिमालय की त्सो ल्हामो झील से निकलती है जबकि ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की कैलाश पर्वतमाला से निकलती है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- तीस्ता सिक्किम और दार्जिलिंग पहाड़ियों के माध्यम से नीचे की ओर बहती है और फिर बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में बहती है, जहाँ यह फुलचोरी में ब्रह्मपुत्र नदी में बहती है। अतः कथन 3 सही नहीं है।
- रंगीत, सिक्किम राज्य की सबसे बड़ी नदी, तीस्ता नदी की मुख्य सहायक नदी है जो पश्चिम सिक्किम ज़िले के हिमालयी पहाड़ों से निकलती है। अतः कथन 2 सही है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-bangladesh-river-water-sharing-mou>

